भारत – वेनेजुएला संबंध

भारत और वेनेजुएला के बीच सबंध हमेशा मधुर रहे हैं। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय, राजनैतिक और आर्थिक मसलों पर दोनों देश समान विचार रखते हैं। द्विपक्षीय संबंधों को सक्रियता से प्रोत्साहित करने के अलावा दोनों देश बहुपक्षीय मंचों में आपस में सहयोग करते हैं। 2009 में राजनयिक संबंधों की स्थापना की 50वीं वर्षगांठ मनाई गई। पिछले चार दशकों से काराकस और नई दिल्ली में एक दूसरे के रेजीडेंट मिशन हैं। वेनेजुएला भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरा है।

राजनीतिक

4-7 मार्च, 2005 के दौरान, पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शवेज ने भारत की राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के दौरान मुख्य रूप से द्विपक्षीय संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे कलाम के साथ द्विपक्षीय वातचीत की। छ: करारों / समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए थे, जिनमें संयुक्त आयोग की स्थापना और हाइड्रोकार्बन सेक्टर में सहयोग शामिल है।

वेनेजुएला के पूर्व विदेशी मंत्री श्री निकोलस मादुरो मोरोस (अब राष्ट्रपति) ने 7 अगस्त, 2012 को नई दिल्ली में आयोजित भारत- सी ई एल ए सी ट्रोइका विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। भारत का प्रतिनिधित्व पूर्व विदेश कार्यमंत्री श्री एस. एम. कृष्णा ने किया। श्री मादुरो ने विदेश मंत्री और पैट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस मंत्री से द्वपक्षीय बातचीत की।

भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री वी एस संपत ने ''नवाचार एवं प्रौद्योगिकीय वैनगार्ड : स्वचालित मतदान प्रणाली'' पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लेने के लिए 27 अगस्त से 1 सितंबर 2012 तक कैराकस का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान भारतीय निर्वाचन आयोग (ई सी आई) तथा वेनेजुएला की राष्ट्रीय चुनाव परिषद (सी एन ई) ने एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए। भारतीय निर्वाचन आयोग के हीरक जयंती समारोह में भाग लेने के लिए जनवरी 2010 में और फिर 2011 में वेनेजुएला की राष्ट्रीय चुनाव परिषद के अध्यक्ष ने भारत का दौरा किया।

भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने 5 मार्च, 2013 को राष्ट्रपति हुगो शावेज के स्वर्गवास पर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। पूर्व कारपोरेट कार्य राज्य मंत्री श्री सचिन पायलट ने राष्ट्रपति शावेज के राजकीय अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व किया। श्री पायलट ने राष्ट्रपति शावेज की मां श्रीमती एलीना फ्रियास डी शावेज और कार्यवाहक राष्ट्रपति श्री निकोलस मदुरो से अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने एशिया - अफ्रीका शिखर बैठक 2015 के दौरान अतिरिक्त समय में 22 अप्रैल, 2015 को पूर्व कार्यपालक उप राष्ट्रपति श्री जार्ज एरियाजा से मुलाकात की ।

विदेश राज्य मंत्री जनरल (डा.) वी के सिंह ने 24 से 25 मई, 2015 को काराकस का दौरा किया। उन्होंने पूर्व उप राष्ट्रपति श्री जार्ज एरियाजा, विदेश मंत्री डा. डेल्सी रोड्रिगेज, पूर्व तेल एवं खनन मंत्री श्री असद्रुबल चावेज और वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी, पी डी वी एस ए अध्यक्ष श्री यूलोगियो डेल पिनो के साथ बैठकें की।
विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में 30 सितंबर 2015 को न्यूयार्क में विदेश मंत्री डा. डेल्सी रोड्रिगेज के साथ बैठक की।

वाणिज्यिक

भारत और वेनेजुएलियाई संयुक्त आयोग की स्थापना के समझौता ज्ञापन पर 2005 में राष्ट्रपति शवेज़ की भारत यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे। पूर्व विदेश राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह ने वेनेजुएला में अगस्त, 2005 में संयुक्त आयोग के प्रथम सत्र के प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व किया था। पूर्व विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद और वेनेजुएला के पूर्व विदेश मंत्री श्री इलियास जौला के नेतृत्व में दूसरी जे सी एम का आयोजन 20 दिसंबर 2013 को नई दिल्ली में हुआ। पेट्रो रसायन, विदेश व्यापार, कृषि, खाद्य, स्वास्थ्य, वायु और जल परिवहन, संचार, सूचना प्रौद्योगिकी और डाक सेवाएं, संस्कृति और शिक्षा विभागों के वेनेजुएला के 9 उप मंत्रियों ने भी बैठक में भाग लिया।

श्री मुरली देवरा, पूर्व पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मई, 2010 में काराबोबो तेल परियोजना के हस्ताक्षर समारोह मं भाग लेने के लिए वेनेजुएला की यात्रा की। श्री देवरा की पूर्व राष्ट्रपति शवेज से मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति शवेज ने भारत के और कच्चा तेल देने पर सहमति व्यक्त की।

श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, पूर्व वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री ने, 20 सदस्यीय सी II व्यापार प्रतिनिधि मंडल के साथ, 8-9 जुलाई, 2012 को वेनेजुएला की राजकीय यात्रा की। उन्होंने वेनेजुएला के व्यापार मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, उप विदेश मंत्री तथा पी डी वी एस ए के वाइस प्रेसिडेंट के साथ बातचीत की।

पूर्व पेट्रोलियम एवं खनन मंत्री तथा पी डी वी एस ए के प्रेसिडेंट श्री राफेल रामीरेज़ ने 24 सितंबर 2013 को भारत का दौरा किया तथा पूर्व पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री वीरप्पा मोइली से व्यापक क्षेत्रों पर वार्ता की।

पी डी वी एस ए अध्यक्ष श्री यूलोगियो डेल पिनो ने 15 एवं 16 जून, 2015 को भारत का दौरा किया। उन्होंने पेट्रोलियम एवं प्राकतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रधान तथा विदेश राज्य मंत्री जनरल (डा.) वी के सिंह से मुलाकात की।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र प्रधान ने वियना में 4 जून, 2015 को तेल एवं खनन मंत्री श्री असद्रुबल शावेज से मुलाकात की।

भारत के निर्यात की मुख्य मदें ये हैं – धातु एवं धातु के उत्पाद, भेषज पदार्थ, रसायन, वस्त्र, कैलसिंड पैट्रोलियम कोक (सी पी सी), इंजीनियरी उत्पाद जैसे कि स्कूटर, उपकरण और मशीनरी आदि। भारतीय फार्मा उद्योग ने पहले ही अपनी प्रतिष्ठा बनाई हुई है और कुछ प्रतिष्ठित कंपनियां (सन फार्मा, डॉ रेड्डी, ग्लेनमार्क, क्लैरिस, सिपला) वेनेजुएला में काम कर रही हैं।

वेनेजुएला से भारत जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से क्रूड ऑयल, लोहा एवं इस्पात, अयस्क, स्लैग और राख, एल्युमीनियम तथा इनसे बनी वस्तुएं शामिल हैं।

पिछले चार वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े निम्नलिखत हैं :

(मिलियन अमरीकी डालर में)

	2011	2012	2013	2014	2014-15
भारत से वेनेजुएला को निर्यात (सी आई एफ अमेरीकी डॉलर)	306.448	355.365	352.720	245.60	258.07
वेनेजुएला का भारत को निर्यात (गैर -तेल) (अफ ओ बी अमेरीकी डॉलर)	3.743	4.162	2.907	33.60	60.75

	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल - सितंबर)
भारत में वेनेजुएला से तेल का आयात	6653.12	14105.91	13936.59	11669.14	2808.57

स्रोत : वेनेजुलियाई राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान और आयात निर्यात डाटा बैंक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सैन क्रिस्टोबल क्षेत्र में तेल का उत्पादन एव अन्वेषण करने के लिए ओ वी एल और सी वी पी (वेनेजुएला की राष्ट्रीय तेल कंपनी पी डी वी एस ए की सहायक कंपनी) के बीच ''पैट्रोलेरा इंडो वेनेजेलाना एस ए'' नामक एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें ओ वी एल का 40 प्रतिशत हिस्सा है और पी डी वी एस ए का शेष 60 प्रतिशत हिस्सा है। सैन क्रिस्टोबल परियोजना में ओ वी एल का निवेश 200 मिलियन अमरीकी डॉलर के आसपास है।

ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओ वी एल), इंडियन आयल कार्पोरेशन (आई ओ सी), आयल इंडिया लिमिटेड (ओ आई एल), रेप्सोल आफ स्पेन और पैट्रोनस ऑफ मलेशिया सहित एक अंतरराष्ट्रीय कंसोर्टियम ने वेनेजुएला के ओरिनोको इलाके में एक बहु बिलियन डॉलर एकीकृत तटवर्ती कारोबोबो तेल परियोजना तैयार करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बोली प्रक्रिया के विजेताओं की घोषणा की थी। पैट्रोकाराबोबो एस ए से 'प्रथम तेल' 27 दिसंबर, 2012 को उत्पादित किया गया था।

संस्कृति

वेनेजुएला में भारतीय कला एवं संस्कृति के प्रति गहरी रूचि है तथा वे इसे बहुत पसंद करते हैं। आई सी सी आर के माध्यम से भारतीय नृत्य और संगीत समूहों का प्रदर्शन नियमित रूप से प्रायोजित किए जाते रहे हैं। वेनेजुएलियाई इलैक्ट्रोनिक एवं प्रिंट मीडिया, भारत पर डाक्यूमेंटरियां/कार्यक्रम तथा कहानियां प्रदर्शित/प्रकाशित करता रहा है। वहां साई बाबा, बह्म कुमारियों, राधा स्वामी, स्कॉन और अनेक योग केंद्र हैं। आयुर्वेद लोकप्रिय होता जा रहा है।

21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई डी वाई) मनाया गया था तथा इसमें लगभग 1000 लोगों ने भाग लिया। मेरिडा में लास एंडेस विश्वविद्यालय के साथ मिलकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 760 व्यक्तियों ने भाग लिया।

राजदूतावास ने 2006 में मेरिडा में लॉस एंडेस विश्वविद्यालय (यू एल ए) में और 2010 में कराकास में केंद्रीय वेनेजुएला विश्वविद्यालय (यू सी वी) में केटेड्रा लिबे (इंडिया चेयर/ स्टडी सैंटर्स) शुरू करने में अहम भूमिका का निर्वाह किया। यू एल ए ने जे एन यू और दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ द्विपक्षीय समझौता पर

हस्ताक्षर किए। भारत सरकार ने वर्ष 2015-16 के लिए वेनेजुएला को आई टी ई सी के 15 स्लॉटों का आबंटन किया है।

भारतीय समुदाय

वेनेजुएला में लगभग 50 भारतीय परिवार हैं, जिसमें से लगभग 35 कराकास में हैं। 2003 में पुनर्जीवित वेनेजुएला ने दिवाली, होली जैसे भारतीय त्यौहारों का आयोजन किया, जिनमें भारतीय समुदाय के लोगों और भारतीय मित्रों ने भाग लिया।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, काराकास की वेबसाइट :
www.embindia.org
भारतीय दूतावास, कराकास का फेसबुक :
www.facebook.com/IndiaInVenezuela
भारतीय दूतावास, कराकास का ट्विटर :
https://twitter.com/IndiaVenezuela
भारतीय दूतावास, कराकास का फ़्लिकर :
www.flickr.com/photos/136124907@N03/

***

जनवरी, 2016